**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 1993**

**दिनांक 12.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**इजरायल-ईरान संघर्ष का भारत पर प्रभाव**

**1993. श्रीमती महुआ माजीः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में संभावित व्यवधानों के मद्देनजर भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रक्षा के लिए किए जा रहे विशेष उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा इस संघर्ष का भारत के व्यापार मार्गों विशेष रूप से स्वेज नहर और लाल सागर पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कौन से कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**[श्री कीर्ति वर्धन सिंह]**

(क) और (ख) भारत पश्चिम एशिया में सामने आ रही स्थिति को लेकर चिंतित है। लाल सागर में और उसके आस-पास वाणिज्यिक जहाजों पर हमले नौवहन की स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं और हमारे व्यापार को प्रभावित करते हैं। सरकार ने इस मुद्दे को क्षेत्र के देशों के साथ उठाया है और हमारे मिशन इस स्थिति से उत्पन्न दुष्प्रभावों को कम करने के लिए स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं।

सरकार एक बहुआयामी रणनीति पर काम कर रही है जिसमें आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना, तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने और ऊर्जा संक्रमण की दिशा में आगे बढ़ना शामिल है। भारतीय नौसेना को समुद्री सुरक्षा बढ़ाने, किसी भी आकस्मिकता का सक्रियता से जवाब देने और भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों, भारतीय नाविकों और भारतीय माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत इस क्षेत्र में तैनात किया गया है। अब तक, एकीकृत हेलीकॉप्टरों से युक्त 30 जहाज, और हवाई निगरानी प्लेटफॉर्म इन क्षेत्रों में

तैनात किए गए हैं, जिसके द्वारा 24 से अधिक घटनाओं का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और 350 से अधिक लोगों की जान बच गई है। इसमें विभिन्न राष्ट्रीयताओं के 120 चालक दल के सदस्य शामिल हैं। इन ऑपरेशनों के हिस्से के रूप में, अरब सागर में 1000 से अधिक जहाजों पर चढ़ाई की गई या उनकी जांच की गई। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए कुछ उल्लेखनीय एंटी-पायरेसी ऑपरेशनों में एमवी लीला नोरफोक (चालक दल की रिहाई), एमवी रुएन (चालक दल की रिहाई और समुद्री डाकुओं की गिरफ्तारी), और एफवी इमान और एफवी नईमी आदि की रिहाई शामिल है। भारत के लिए महत्वपूर्ण वस्तुओं को ले जाने वाले जहाजों की सक्रिय रूप से निगरानी की जा रही है और उनके पारगमन के दौरान उनकी सुरक्षा की जा रही है। भारतीय नौसेना के जहाजों ने अब तक 250 से अधिक जहाजों पर लगभग 91 लाख मीट्रिक टन माल का सुरक्षित पारगमन सुनिश्चित किया है।

*****